हरेला पर्व पर वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान

राजकीय महाविद्यालय पाबौ, जनपद पौड़ी गढ़वाल के परिसर में दिनांक 16 जुलाई 2026 को हरेला पर्व के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण एवं जनजागरूकता को समर्पित एक भव्य वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय परिवार, नमामि गंगे प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य एवं सरंक्षक प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा द्वारा की गई। नमामि गंगे एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया I महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वृक्षारोपण किया गया।

प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि हरेला केवल एक पारंपरिक पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक है। उन्होंने यह अपील की कि अधिकाधिक पौधे लगाने, उनकी नियमित देखभाल करने तथा अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। इसके उपरांत महाविद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का वृक्षारोपण किया गया। शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक पौधे लगाए तथा प्रत्येक पौधे की सुरक्षा एवं देखभाल का संकल्प लिया। इसके साथ ही परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया I

डॉ. मुकेश कुमार ने नमामि गंगे अभियान के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्यावरण संरक्षण, जल स्रोतों की स्वच्छता तथा वृक्षारोपण कार्यक्रम से ही भावी पीडी के लिए संसाधन सरंक्षित किये जा सकते है I कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता रही। वाणिज्य संकाय की विभागाध्यक्ष डॉ. ऋचा जैन, प्राध्यापक डॉ. दीपक कुमार, प्राध्यापक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह, श्री देवराज, विजेन्द्र बिष्ट, श्रीमती सोनी देवी तथा श्रीमती अनुराधा ने वृक्षारोपण एवं स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए सभी का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य प्रो. सत्य प्रकाश शर्मा ने सभी प्रतिभागियों, शिक्षकों, कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम समाज में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के साथ-साथ युवाओं में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को भी सुदृढ़ करते हैं। अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल की जाएगी

तथा महाविद्यालय परिसर को स्वच्छ, हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयास किए जाएंगे। हरेला पर्व के इस आयोजन ने प्रकृति संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और सतत विकास के संदेश को प्रभावी ढंग से प्रसारित किया तथा महाविद्यालय परिवार की पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को पुनः स्थापित किया।